

दिनांक 28.8.2026 को सम्पन्न परिवाद समिति की बैठक की कार्यवाही।

पथ प्रमंडल संख्या-1, औरंगाबाद के अन्तर्गत पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.-44C/OPRMC-III for the year 2026-33 कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में प्राप्त परिवाद पर विभागीय पत्रांक-2217(E) दिनांक-01.04.2026, पत्रांक-2360(E) दिनांक-09.04.2026 एवं पत्रांक-5625(E) दिनांक-17.08.2026 द्वारा गठित समिति की बैठक की कार्यवाही।

उपस्थिति:

- (i) श्री उमा कान्त रजक, अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (ii) श्री अभिषेक पलासिया, संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (iii) श्री राजेश कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (iv) श्री राजकुमार, मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

2. दिनांक-14.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही, जो उपभागीय ज्ञापांक-2719 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित है, में लिये गये निर्णय के विरुद्ध प्राप्त परिवाद पर मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2846(अनु०) दिनांक-22.08.2026 के माध्यम से परिवाद पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही एवं अनुशंसा के आधार पर विवरणी निम्नवत् है :-

- 2.1 कार्य का नाम एवं पैकेज संख्या : पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.-44C/OPRMC-III for the year 2026-33
- 2.2 योजना मद : 3054
- 2.3 निविदा आमंत्रित करने वाले प्रमंडल का नाम : पथ प्रमंडल संख्या-1, औरंगाबाद
- 2.4 प्रशासनिक स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग : ₹16259.78 लाख।
विभागीय ज्ञापांक-3247(एस०) दिनांक-12.05.2026
- 2.5 तकनीकी स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग : ₹19234.09 लाख।
मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का ज्ञापांक-1676 (अनु०), दिनांक-22.05.2026
- 2.6 ECV/परिमाण विपत्र की राशि : ₹17242.86203 लाख।
- 2.7 कार्य समाप्ति की अवधि : 84 (Eighty-four) Months.
- 2.8 निविदा की प्रक्रिया : ई-टेंडरिंग (MBD)
- 2.9 निविदा प्राप्ति की तिथि : 03.07.2026
- 2.10 प्राप्त निविदा क्या पुनर्निविदा है यदि हाँ तो कारण : पुनर्निविदा नहीं है।
3. विषयांकित निविदा में निम्नलिखित 10 (दस) संवेदकों द्वारा भाग लिया गया :-

(1) S&P Infrastructure Developer Pvt. Ltd.

(2) Ramiya Construction Pvt. Ltd.

(3) Velji Ratna Sorathia Infra Pvt. Ltd.

(4) Vinod Kumar Jain

(5) M/s Nirmal Buildinfra Private Limited

(6) Mehta Construction Co.

(7) Shivalaya Construction Ltd.

(8) Kamac Engineer Private Limited

(9) Woodhill Infrastructure Limited

(10) Real Infra Developers JV (A Joint Venture Entity)

4. उपरोक्त कार्य की निविदा में कुल 10 (दस) निविदाकारों यथा— (i) S&P Infrastructure Developer Pvt. Ltd. (ii) Ramiya Construction Pvt. Ltd. (iii) Vinod Kumar Jain (iv) Mehta Construction Co. (v) Shivalaya Construction Pvt. Ltd. (vi) Kamac Engineer Private Limited (vii) Velji Ratna Sorathia Infra Pvt Ltd. (viii) M/s Nirmal Buildinfra Private Limited (ix) Woodhill Infrastructure Limited एवं (x) Real Infra Developers JV (A Joint Venture Entity) द्वारा भाग लिया गया।

दिनांक-14.08.2026 को तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति द्वारा 10 (दस) निविदाकारों में 05 (पाँच) निविदाकार (i) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. को NIT की कंडिका-39, MBD Section 3 Clause 1.2.3, Clause 2.2.2 एवं Clause 1.2.1 (b) के तहत (ii) Woodhill Infrastructure Limited को NIT की कंडिका-39, MBD Section 3 Clause 1.2.3 के तहत, (iii) M/s Vinod Kumar Jain को NIT के क्रमांक-28 के तहत (iv) Shivalaya Construction Ltd. को NIT की कंडिका-14 के तहत एवं (v) Ramiya Construction Pvt. Ltd. को MBD Section 3 Clause 1.2.3 के तहत तकनीकी बीड में असफल तथा शेष पाँच निविदाकार यथा (i) Mehta Construction Co. (ii) Kamac Engineer Private Limited (iii) Velji Ratna Sorathia Infra Pvt Ltd. (iv) M/s Nirmal Buildinfra Private Limited एवं (v) Real Infra Developers JV (A Joint Venture Entity) को तकनीकी बीड में सफल घोषित करने का निर्णय लिया गया।

5. उपभागीय ज्ञापांक-2719 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की निर्णय के विरुद्ध विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. के पत्रांक-S&P/Admin/2026-27/186, दिनांक-14.08.2026, (2) Woodhill Infrastructure Limited का पत्रांक-शून्य, दिनांक-17.08.2026 (3) M/s Vinod Kumar Jain का पत्रांक-VKJ/OPRMC/014 दिनांक-16.08.2026 एवं (4) Shivalaya Construction Limited के पत्रांक-SCL-BIDs/RCD/Bihar/2026/Pkg-44C/01 दिनांक-17.08.2026 के द्वारा परिवाद/ अभ्यावेदन/ आपत्ति समर्पित किये जाने के परिप्रेक्ष्य में मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2846(अनु०) दिनांक-22.08.2026 द्वारा परिवाद पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की बैठक की कार्यवाही एवं अनुशंसा समर्पित की गई है।

6. **परिवाद :-** उपरोक्त तकनीकी बीड में असफल 04 (चार) निविदाकार यथा-(i) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. के पत्रांक-S&P/Admin/2026-27/186, दिनांक-14.08.2026, (ii) Woodhill Infrastructure Limited का पत्रांक-शून्य, दिनांक-17.08.2026 (iii) M/s Vinod Kumar Jain का पत्रांक-VKJ/OPRMC/014 दिनांक-16.08.2026 एवं (iv) Shivalaya Construction Limited के पत्रांक-SCL-BIDs/RCD/Bihar/2026/Pkg-44C/01 दिनांक-17.08.2026 द्वारा विषयांकित कार्य के तकनीकी बीड मूल्यांकन पर परिवाद प्राप्त हुआ है, जो निम्नवत् है :-

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
1.	S&P Infrastructure Developers(P) Ltd.	<u>Alleged declaration as Non-Performer</u> Clause 2.2.2 of Section 3, read with Form CON-1, says that contract non-performance during the last five years can be considered only when the dispute has been fully settled. It also explains that a dispute is fully settled only after it has been decided under the contract and all available appeals have been completed. In our case, there is no such final decision. A rectification notice, departmental letter, internal remark, or pending dispute cannot by itself prove that a contractor is a Non-Performer under Clause 2.2.2. We have never received any show-cause notice or final order declaring us a Non-Performer for the Ara-Chapra via Babura-Doriganj Road work. The technical evaluation also does not mention the number, date, issuing authority, or validity of the alleged order. We therefore request you to provide us a copy of the order relied upon. Until such a final order is shown, this reason should not be used to reject our Bid. The Ara-Chapra via Babura-Doriganj Road work has already been completed. After completion, the Executive Engineer issued a letter dated 08.06.2026 <u>for some rectification work</u>. We responded and arranged the required manpower and machinery. The work took some time	कार्यपालक अभियंता, शाहाबाद पथ प्रमंडल, आरा का पत्रांक-3528 दिनांक-31.12.25 पत्रांक-1167 दिनांक-30.03.26, पत्रांक-1682 दिनांक-25.05.26 एवं अधीक्षण अभियंता का पत्रांक-1234 (अनु०), दिनांक-18.06.26 जो कि परिवाद में संलग्न है, से स्पष्ट है कि क्षेत्रीय अभियंताओं द्वारा कार्य करने हेतु निदेशित किया गया	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		because resources had to be arranged again and permission was required from the District Administration for traffic management. These facts were explained in our letters dated 13.07.2026 and 01.08.2026. This is only a rectification matter after completion of the work. It has not been finally decided against us under the contract. Therefore, it should not be treated as poor performance or as a ground for rejecting our Bid under Clauses 1.2.1(b) and 2.2.2. Declaring a contractor as a Non-Performer has serious effects on its business. Before taking such action, the contractor must be issued the Show Cause Notice of the proposed action and given a proper chance to explain its case. We were not given any such notice or opportunity and even also not been issued a formal letter declaring us a Non-Performer. Therefore, application of Clauses 1.2.1(b) and 2.2.2 for disqualification is beyond the terms of the tender. <u>Certificate for ongoing works</u> The second reason says that the Engineer-in-Charge certificate for one ongoing work was not uploaded as required under Clause 1.2.3 of Section 3, Section 4E.10/Form FIN-4, and Serial No. 39 of the NIT. However, the evaluation does not mention which work or certificate is missing. It also does not show the amount taken for that work or the calculation of our bid capacity. We had disclosed all our ongoing works in the Bid and submitted the certificates available with us. Copies of the certificates are again enclosed for easy reference. We had given the name of each project, the employer, contract amount, completion period, and balance commitment. We did	है, परन्तु संवेदक द्वारा कार्य नहीं किया गया है। कार्यपालक अभियंता द्वारा स्पष्ट लिखा गया है कि TTRI के जाँच प्रतिवेदन से स्पष्ट होता है कि आपके द्वारा आरा- छपरा भाया बबुरा पथ के चैनेज 8 से 9 कि०मी० में कराये गये PQC कार्य Specification के अनुरूप नहीं है। अतः अपने खर्च पर उक्त कार्य का Dismantle कर पुनः Specification के अनुरूप PQC कार्य कराना सुनिश्चित करें। निविदाकार का उक्त कार्य MBD Section-3 की कंडिका 1.2.1 (b) poor performance की श्रेणी में आता है। अतः परिवाद का आरोप मान्य नहीं है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		not hide any work or liability. In EPC contracts, the officer performing the role of Engineer-in-Charge is generally called the Authority's Engineer or Authority Engineer under Article 18 of the EPC Agreement. Therefore, a certificate issued by the competent Authority Engineer should be accepted even though the designation is different. We are not asking for any change in our Bid or for adding any new experience or qualification. We are only asking for confirmation of the information already submitted with the Bid. Under ITB Clauses 22 and 25, the Authority may ask the bidder for clarification or supporting documents, provided that the Bid price and its main contents are not changed. The required confirmation would only verify the details already given in Form FIN-4 and would not change our Bid in any manner. The issue relates to only one work out of around 30 works disclosed by us. If there was any doubt, the Authority could have asked us for clarification. It could also have taken the full balance value of that work while calculating our bid capacity and checked whether we still met the requirement. We therefore request the Evaluation Committee to tell us which certificate is considered missing and provide the bid-capacity calculation. We are ready to submit the required confirmation from the Authority Engineer/Engineer-in-Charge immediately. In view of the above, the Bidder respectfully requests that the competent authority to declare our bid responsive/	NIT की कंडिका-28 के अनुसार Existing Commitment of ongoing work के सूची में सभी कार्य के Supporting document EIC द्वारा निर्गत पत्र Upload किया जाना आवश्यक है। अतः परिवाद में उल्लेखित बिन्दु को अमान्य किया जाता है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		qualified in accordance with tender documents and open our Financial bid. This representation is made bona fide and without prejudice to all contractual, statutory, and constitutional rights and remedies available to the Bidder. The Bidder requests a speaking decision before the Financial Bids are opened and communicated to it at the earliest.		
2.	Woodhill Infrastructure Limited	1. कंपनी के आधिकारिक लेटर हेड पर बिड क्षमता एवं विवरण का समर्पण : हमारी कंपनी द्वारा निविदा के साथ अपने आधिकारिक लेटर हेड (Company Lettehead) पर हस्ताक्षरित एवं सत्यापित बिड क्षमता (Bid Capacity) का पूर्ण विवरण एवं चल रही योजनाओं (Existing Commitments/ Ongoing Works) की तालिका समर्पित की गई है, जो हमारी वित्तीय एवं भौतिक क्षमता को पूर्ण रूप से स्पष्ट करती है। 2. प्रक्रियात्मक भूल (Procedural Omission): कार्यवाही के कंडिका 4.2 (iii) में उल्लेखित 'अभियंता- प्रभारी (Engineer-in-Charge) द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित Existing Commitment प्रमाण-पत्र अपलोड न होने' की स्थिति मात्र एक अनजाने में हुई प्रक्रियात्मक भूल है। कंपनी द्वारा लेटर हेड पर प्रस्तुत किया गया डेटा पूर्णतः सत्य एवं प्रामाणिक है। 3. हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमारी कंपनी द्वारा अपनी सभी चल रही योजनाओ (Ongoing Works) RFP की भार्त्तो के अनुसार निविदा में सफलतापूर्वक संलग्न किये गए हैं। निविदा की सभी आवश्यक पात्रता एवं पारदर्शिता मानदंडों (Bidding & Transparency Criteria) को पूर्ण करने के आधार पर, हमारी निविदा को 'Responsive' (अर्ह) माना जाए एवं हमारी वित्तीय बोली	NIT की कंडिका-28 के अनुसार Existing Commitment of ongoing work के सूची में सभी कार्य के Supporting document EIC द्वारा निर्गत पत्र Upload किया जाना आवश्यक है। अतः परिवाद में उल्लेखित बिन्दु को अमान्य किया जाता है।	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		(Financial Bid) खोलने की कृपा करें। 4. EIC प्रमाणपत्र/Existing Commitment लाइन संबंध स्पष्टीकरण : यह स्पष्ट किया जाता है कि पूर्व में प्रासंगिक विभाग/कार्यालय से समय पर 'अभियंता-प्रभारी (Engineer-in-Charge)' द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित प्रमाणपत्र की प्रतिप्राप्त/उपलब्ध न हो पाने के कारण यह विशिष्टलाइन/ दस्तावेज मूल निविदा के साथ संलग्न नहीं किया जा सका था। अब चूंकि यह उपलब्ध/ सत्यापित हो चुका है, अतः इसे वर्तमान में विधिवत संलग्न कर प्रस्तुत किया जा रहा है।		
3.	Vinod Kumar Jain	An advocate welfare stamp is not governed by the Indian Stamp Act, 1899. Instead, it is mandated by specific State Advocates' Welfare Fund Acts or the central Advocates' Welfare Fund Act, 2001, and it is legally required to be affixed on a Vakalatnama, not strictly on an ordinary affidavit to make the affidavit valid. The welfare stamp is a statutory requirement meant to be pasted and cancelled on a Vakalatnama (the authorization document given to a lawyer) to fund the welfare and social security of advocates. Whereas, the validity of an affidavit itself falls under the Code of Civil Procedure (CPC), the Oaths Act, and the general stamp duty requirements for affidavits under the Indian Stamp Act, 1899 (or state amendments), rather than advocate welfare legislation. Since the submitted Affidavit is not a Vakalatnama mandated to be affixed under specific State Advocates' Welfare	निविदाकार द्वारा निविदा के साथ Uploaded शपथ-पत्र में वांछित शपथ-पत्र पर Additional Rs. 25/- का Advocate Welfare stamp affix नहीं किया गया है। विभागीय पत्रांक-3608 (E) दिनांक- 22.05.2020 द्वारा किये गए प्रावधान It is mandatory to attached Rs. 25/- Advocate welfare stamp on affidavit for advocate welfare fund. तदनुसार MBD NIT की कड़िका-28 पर	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		Fund Acts or the central Advocates' Welfare Fund Act, 2001, rather it is a document falls under the Code of Civil Procedure (CPC), the Oaths Act, and the general stamp duty requirements for affidavits under the Indian Stamp Act, 1899 (or state amendments), hence Advocate Welfare Stamp is not required to be affixed on the Affidavit. Therefore, the Contractor's/Bidder's Bid cannot be considered as "non-responsive" on this ground, Not required as per Clause 2.4.2	निदिष्ट उक्त वांछित अहर्ता का अनुपालन नहीं किया गया है, अतः निविदाकार की आपत्ती को अमान्य किया जाता है।	
4.	Shivalaya Construction Limited	1. Serial No. 1; As per NIT, Section 3, Clause 2.1.2 <u>Remarks: "Registered Certificate not Attached"</u> As per Clause 14 of the NIT, "any Contractor registered with the Central Government, any State Government, any Public Sector Undertaking (PSU), or an agency of International or National repute may participate in the tender. However, registration with the Road Construction Department, Bihar shall be mandatory only after issuance of the Letter of Acceptance (LoA) and before execution of the Agreement" In this regard, Bidder falls under the category of an organization of National Repute. The Company has successfully executed and completed several major infrastructure projects for prestigious organizations such as NHAI, Ministry of Road Transport & Highways (MoRT&H), and various State Government Departments across India. Therefore, in accordance with	इनके द्वारा Central Government/ Any State Government or Any PSU का Registration से संबंधित कोई कागजात निविदा के साथ अपलोड नहीं किया गया है। विभागीय पत्रांक-6158(S), दिनांक-09.07.14 के अनुसार Registration प्रथम प्रक्रम में आता है। उक्त पत्र के कंडिका-5.1 प्रथम प्रक्रम में उल्लेखित है कि "यह प्रक्रम निविदाओं के तकनीकी बीड में सफल होने के लिए अनिवार्य होगी। इस प्रक्रम पर असफल पाये जाने वाले निविदाकारों के तकनीकी बीड प्रारंभ में अस्वीकृत होगा और किसी हालत में	Shivalaya Construction Private Ltd. द्वारा NHAI, Govt. of Arunachal Pradesh, Govt of Jharkhand का कार्य सम्पादित किया गया है तथा इससे संबंधित अनुभव प्रमाण पत्र निविदा में upload किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि ये National repute की कम्पनी है। अतः इनका परिवाद का यह बिन्दु NIT के कंडिका-14 के

क्र० सं०	परिवादी निविदा कार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		Clause 14 of the NIT, the Company is eligible to participate for tender. Registration with the Road Construction Department, Bihar shall be obtained, if required, after issuance of the Letter of Acceptance and before execution of the Agreement. We respectfully request you to kindly consider the above clarifications along with the enclosed revised documents and take the same on record for further evaluation of our Technical Bid. We trust that the enclosed documents adequately address all the observations raised. Kindly acknowledge receipt of this submission.	विचारणीय नहीं होगा। अतः परिवाद में उल्लेखित बिन्दुको अमान्य किया जाता है। परिवाद के निष्पादन के क्रम में समिति के संज्ञान में यह बात आयी कि Shivalaya Construction Limited द्वारा निविदा में समर्पित Bank credit Facility Package No.-44B/OPRMC से संबंधित है, जबकि प्रस्तुत निविदा Package No.-44C/OPRMC से संबंधित है। अतः इन्हें MBD Section 3 Clause 2.3.2 के आलोक में तकनीकी बीड में असफल घोषित करने का निर्णय लिया जाता है।	आलोक में मान्य है। तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत।

7. परिवाद की समीक्षा एवं तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा:-

समिति के स्वतः संज्ञान में आया कि JV के Case में दोनों Partner का किसी भी मद की मात्रा एक ही वित्तीय वर्ष में लिया जाना है। जाँचोपरान्त निविदाकार Real Infra Developers JV (A Joint Venture Entity) का Bituminous की मात्रा किसी एक वित्तीय वर्ष में लेने पर MBD Section 3 Clause 2.4.2 (b) की न्यूनतम वांछित मात्रा से कम है। अतः Real Infra Developers JV (A Joint Venture Entity) को MBD Section 3 Clause 2.4.2 (b) के तहत असफल घोषित करने का निर्णय लिया जाता है। अतः समिति द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के शेष निर्णय को यथावत् रखने की अनुशंसा की जाती है।

8. परिवाद समिति का निर्णय :-

(i) विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. के पत्रांक-S&P/Admin/2026-27/186, दिनांक-14.08.2026, (2) Woodhill Infrastructure Limited का पत्रांक-शून्य, दिनांक-17.08.2026 (3) M/s Vinod Kumar Jain का पत्रांक-VKJ/OPRMC/014 दिनांक-16.08.2026 द्वारा दिए गये परिवाद/आपत्ति को अमान्य करने का निर्णय लिया गया।

(ii) 10 (दस) निविदाकारों में 06 (छः) निविदाकार (1) M/s S&P Infrastructure Developers Pvt. Ltd. को NIT की कंडिका-39, MBD Section 3 Clause 1.2.3, Clause 2.2.2 एवं Clause 1.2.1 (b) के तहत (2) Woodhill Infrastructure Limited को NIT की कंडिका-39, MBD Section 3 Clause 1.2.3 के तहत, (3) M/s Vinod Kumar Jain को NIT के क्रमांक-28 के तहत (4) Ramiya Construction Pvt. Ltd. को MBD Section 3 Clause 1.2.3 के तहत (5) Real Infra Developers JV (A Joint Venture Entity) को MBD Section 3 Clause 2.4.2(b) के तहत (6) Shivalaya Construction Limited MBD Section 3 Clause 2.3.2 के तहत तकनीकी बीड में असफल तथा शेष 04 (चार) निविदाकार यथा (i) Mehta Construction Co. (ii) Kamac Engineer Private Limited (iii) Velji Ratna Sorathia Infra Pvt Ltd. एवं (iv) M/s Nirmal Buildinfra Private Limited को तकनीकी बीड में सफल घोषित करने का निर्णय लिया गया।

(iii) उपभागीय ज्ञापांक-2719 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को इस हद तक सशोधित समझा जाय।

(iv) तकनीकी बीड में सफल निविदाकारों का वित्तीय बीड खोलने का निदेश मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को दिया गया।

(v) मुख्य अभियंता, दक्षिण संबंधित परिवादी बीडर को समिति के निर्णय से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

8.1 परिवाद समिति की इस कार्यवाही को विभागीय वेबसाईट पर भी डाली जाय।

 (राजकुमार) मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	 (राजेश कुमार गुप्ता) मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	 (अभिषेक पलासिया) संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	 (उमा कान्त रजक) अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
--	---	--	--

ज्ञापांक: प्र0-7/निविदा-03-118/2026

5986(6)

पटना, दिनांक 28/8/2026

प्रतिलिपि:- मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना/ मुख्य अभियंता(अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित/ आई0टी0 मैनेजर, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।


(उमा कान्त रजक)

अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव(कार्य प्रबंधन),
पथ निर्माण विभाग, बिहार पटना।